REVISED SYLLABUS
(BASED ON U.G.C. MODEL SYLLABUS)

There shall be four papers (three compulsory and one optional) for M.A. part–II (Final). Each paper shall be of three hours duration and carrying 100 marks.

Dissertation – Only those candidates are eligible to write dissertation who have secured 60% marks in M.A. (Previous) Examination.

Note:

1. Syllabus is divided into 5 units.
2. Two questions from each unit will be set.

इकाई :01

01. समकालीन पाश्चात्य दर्शन की विशेषताएँ ।
02. मार्क्स का द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद।
03. ब्रेडले–सत एवं आभास का स्वरूप।
04. ग्रीन – अध्यात्मवाद।

इकाई :02

वस्तुवाद :–

01. वस्तुवाद की विशेषताएँ ।
02. जी.ई.मूर –अध्यात्मवाद का खण्डन,सामान्य बुद्धिपरक वस्तुवाद।
03. रसल– ज्ञान के स्रोत – परिचय तथा विवरण, तर्कीय परमाणुवाद ।

इकाई :03

तार्किक भाववाद एवं दार्शनिक विश्लेषण–

01. दार्शनिक विश्लेषण का इतिहास एवं स्वरूप।
02. विटगेन्स्टाइन –तार्किक अणुवाद,चित्र सिद्धांत एवं भाषायीखेल ।
03. ए. जे. एयर –तत्वमीमांसा का निरसन, अर्थ का सत्यापन सिद्धांत।
04. गिलबर्ट राइल –कोटि –दोष,।

इकाई :04

अर्थकियावाद–

01. विलियम जेम्स – मौलिक अनुभववाद ।
02. जॉन डिवी –प्रकृतिवाद एवं उपकरणवाद।
03. बर्गसॉ – सर्जनात्मक विकासवाद।
04. लेमाण्ट – मानववादी विचार।

इकाई :05

अस्तित्ववाद–

01. अस्तित्ववाद का उदय एवं मुख्य सिद्धांत ।
02. किर्केगार्ड – आंतरिकता एवं आत्मा अनुभूति।
03. हाइडेगर –मानव अस्तित्व ।
04. सार्त्र – स्वतंत्रता का प्रत्यय एवं मानवतावद।
05. हसरल – संवृतिवाद।

<u>अनुशंसित पुस्तकें :–</u>

01. लक्ष्मी सक्सेना – समकालीन पाश्चात्य दर्शन 02. वी.के.लाल –समकालीन पाश्चात्य दर्शन।
02. हृदय नारायण मिश्र–समकालीन दार्शनिक चितंन। 04. ए.के.सिन्हा–समकालीन पाश्चात्य दर्शन।
05 जगदीश सहाय श्रीवास्तव – समकालीन पाश्चात्य दर्शन।
06. Copleston – Contempoerory Philoshophy
07. John passmore - Hundred years of Philoshophy
08. H.J.Blackham – Six Existentialist thinkers.

PAPER- I
CONTEMPORARY WESTERN PHILOSOPHY

Unit– I

- Characteristics of Contemporary Western Philosophy.
- Karl Marx– The Dialectical Materialism.
- F.H.Bradley – The Nature of Appearance and Reality.
- T.H. Green – idealism.

Unit- II Realism-

- Characteristics of Realism.
- G.E.Moore- The Refutation of idealism, Commonsense Realism
- Russel- Sources of Knowledge– Acquaintance and Description, Logical Atomism.

Unit- III Philosophical Analysis and Logical Positivism-

- The nature and history of philosophical analysis.
- Wittgenstein-logical atomism, The picture, theory of the meaning, Language game.
- A.J.Ayer– The Elimination of metaphysics, The Verification theory of Meaning, The Function of philosophy.

Unit- IV Pragmatism-

- William James – Radical Empiricism.
- Gilbert Ryle – Category Mistake.
- John Dewey – Naturalism and Instrumentalism.
- Henry Bergson- Creative Evolutionism.
- K. Lamant – Humanistic Views.

Unit- V Existentialism-

- Origin and theory of Existentialism
- Kierkegaard – Subjectivity and Self realization.
- Heidegger – Dassin.
- Stare –The Concept of freedom and humanism.
- Edmund- Husserl – phenomenology.

प्रश्न पत्र–द्वितीय
आधुनिक भारतीय दर्शन

इकाई : 01

01. आधुनिक भारतीय दर्शन की पृष्ठभूमि –मूल प्रवृतियाँ विशेषताएँ और .....
02. स्वामी विवेकानंद .....

इकाई : 02

01. रवीन्द्रनाथ टैगोर –मानव का स्वरूप एवं मानवतावाद
02. तिलक –भगवद् गीता की व्याख्या,
03. गाँधी–सत्य एवं अहिंसा का सम्प्रत्या।
04. गाँधी–आधुनिक सभ्यता की आलोचना।

इकाई : 03

01. श्री अरविन्द –सत्ता का स्वरूप, विकासवाद, अतिमनस,
02. डॉ. राधाकृष्ण –पूर्व एवं पश्चिम का समन्यय,धर्म और विज्ञान मानव .....

इकाई :04

01. के. सी. भटट्ाचार्य –दर्शन का सम्प्रत्यय निबंध का सिद्धांत एवं निरपेक्ष .....
02. एम.एन.राय–.....
03. मोहम्मद इकवाल– मानव एवं ईश्वर ।
04. जे.कृष्णमूर्ति –स्वतंत्रता का प्रत्यय।

इकाई :05

01. बी.आर अबेडकर–सामाजिक दोषों की आलोचना।
02. पं.नेहरू–वैज्ञानिक मानवतावाद।
03. आचार्य रजनीश –शिक्षा का प्रत्यय।
04. देवीप्रसाद चटट्ापाध्यय–भौतिकवादी विचार।
05. पं.दीनद्याल उपाध्याय का एकात्म मानवतावाद।

<u>अवुशंसित पुस्तकें :</u>

01. लक्ष्मी सक्सेना–समकालीन भारतीय दर्शन
02. वी.के.लाल–समकालीन भारतीय दर्शन।
03. आर.एस.श्रीवास्तव–समकालीन भारतीय दर्शन।
04. रामजी सिंह –गाँधी दर्शन।
05. V.S.Naravane- Modern Indian Thought.
06. M.Chattarjee-Contemporary Indian Philosophy
07. R.S.Shrivastava –Contemporary Indian Philosophy
08. D.M.Dutta – The Chief Currents of Contemporary Philosophy.

PAPER– II
MODERN INDIAN THOUGHT

UNIT – I

- Background – Characteristics Features and problems of Modern Indian philosophy.
- Swami Vivekananda – Universal Religion, practical Vedanta and four kinds of Yoga.

UNIT – II

- Rabindranath Tagore – Nature of Man and Humanism.
- B.G.Tilaka – Interpretation of the Geeta.
- M.K.Gandhi – Concept of Truth and Non-violence, Criticism of modern civilization.

UNIT – III

- Shri Aurobindo – The nature of reality, the theory of evolution, the super mind.
- Dr.S.Radha Krishnan - Synthesis of East and West, Science and Religion, Human Destiny.

UNIT – IV

- K.C.Bhattacharya – Concept of Philosophy, Concept of the Absolute,Theory of Negation
- M.N.Roy – New Hunanism .
- Md.Iqbal – God and Man
- J.Krishnamurti – Concept of Freedom

UNIT – V

- Dr.B.R.Ambedkar – Criticism of social Evil.
- Pt.Nehru – Scientific Humanism.
- Acharya Rajneesh – Concept of Education.
- Deviprasad chattopadhyaya – Materialistic views.
- Pt. Deena Dayal Upadhyaya – Integral Humanism.

प्रश्न पत्र– तृतीय
तर्कशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई : 01

01. तर्कशास्त्र का अर्थ एवं स्वरूप – भारतीय एवं पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य में।
02. भारतीय तर्कशास्त्र का ज्ञान मीमांसा तथा तत्व मीमांसा से संबंध।
03. आगमन एवं निगमन तर्क।
04. सत्यता एवं वैधता ।
05. अनाकारिक तर्कदोष–प्रासंगिक एवं अप्रसांगिक।

इकाई : 02 भारतीय तर्कशास्त्र –

01. अनुमान की परिभाषा –न्याय एवं बौद्ध दर्शन के परिप्रेक्ष्य में।
02. अनुमान के प्रकार –न्याय एवं बौद्ध दर्शन के परिप्रेक्ष्य में।
03. अनुमान के अवयव।
04. व्याप्ति तथा व्याप्ति ग्रहण के उपाय।
05. हेत्वाभास।

इकाई : 03

01. तर्कवाक्य का स्वरूप।
02. तर्कवाक्य के प्रकार एवं पद व्याप्ति।
03. निरपेक्ष न्यायवाक्य के मानक के आकार।
04. न्यान वाक्य के नियम एवं दोष।
05. बेनरेखा पद्धति।

इकाई : 04 कारणात्मक संबंध

01. आगमन का स्वरूप।
02 प्राक्कल्पना।
03. मिल की प्रायोगिक विधियाँ।
04. सादृश्यानुमान
05. व्याख्या।

इकाई : 05 प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र का विकास।

01. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र का स्वरूप एवं महत्व।
02. सरल एवं मिश्र कथन।
03. तार्किक संयोजक – संयोजन वियोजन एवं निषेध के प्रतीक।
04. सत्यता सारणी की संरचना।
05. उभयतोपाश।

अनुशंसित पुस्तकें :–

01. प्रो.संगम लाल पाण्डेय–तर्कशास्त्र का परिचय।
02. 02.ब्रज नारायण शर्मा–भारतीय दर्शन में अनुमान। 03. अविनाश तिवारी–तर्कशास्त्र के सिद्धांत।
04. अशोक वर्मा–प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र। 05. के.एन.तिवारी–प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र परिचय।
06. के.एन.तिवारी–तर्कशास्त्र परिचय। 07. I. M.Copi– Introduction to Logic.

PAPER– III
LOGIC– INDIAN AND WESTERN

UNIT– I

- The meaning and Nature of Logic,
- The relationship of logic to Epistemology and Metaphysics in Indian Tradition,
- Induction and deduction,
- Truth and validity,
- Informal fallacies – fallacy of relevance and ambiguity,

UNIT– II

Indian Logic

- Definition of Anumana - Nyaya and Buddhist perspectives.
- Types of Anumana - Nyaya and Buddhist perspectives.
- Analysis of the parts of inference.
- Vyapti and methods of establishing vyapti.
- Hetvabhasa.

UNIT- III

- Nature of Categorical propositions.
- Types of proposition and distribution of Terms.
- Standard form of categorical syllogism.
- Rules and fallacies of syllogism.
- Venn diagram technique.

UNIT- IV

Causal connections

- The nature of the Induction.
- Hypothesis.
- Experimental methods of Mill.
- Scientific explanation.
- Analogy.

UNIT- V

Development of symbolic logic

- Importance and nature of symbolic logic.
- Simple and compound statements
- Logical connectives-symbol of conjunction, Negation, Disjunction.
- Construction of truth table.
- The dilemma.

प्रश्न पत्र–चतुर्थ
(ए)शंकर का अद्वैत वेदान्त,

इकाई : 01
परिचय
(1) अध्यास का स्वरूप एवं लक्षण।
(2) अविद्या एवं माया।
(3) ख्याति पंचक।
(4) विवर्तवाद।

इकाई : 02
चतुःसूत्री :–
(1) अथातोब्रहम जिज्ञासा।
(2) जन्माद्यस्य यतः।
(3) शास्त्रयोनित्वात्।
(4) तत्तुसमन्वयात।

इकाई : 03
तर्कवाद :–
(1) सांख्यतम – प्रधान कारणवाद का खण्डन ,
(2) न्याय,वैशेषिक मत– परमाणुवाद का खण्डन।
(3) बौद्ध मत–सर्वास्तिवाद, विज्ञानवाद एवं शून्यावाद का खण्डन।
(4) जैनमत का खण्डन

इकाई : 04
तत्त्वमीमांस :–
(1) ब्रह्म,
(2) आत्मा एवं जीव
(3) मोक्ष
(4) जगत्
(5) स्वतः प्रामाण्यवाद

इकाई : 05
अद्वैत वेदान्त मे नैतिकता का स्थान
(1) साधन चतुष्टय,
(2) ज्ञान और कर्म
(3) अनुभव, तर्क एवं श्रुति
(4) अद्वैत वेदान्त का महत्व
(5) रामानुज द्वारा मायावाद का खण्डन

अनुशंसित पुस्तकें :–

01. अद्वैत वेदान्त –राममूर्ति शर्मा
02. मूलशांकर वेदांत–संगमलाल पाण्डेय
03. भारतीय दर्शन भाग – III –राधाकृष्णन
04. Philosopfy of Advait –T. M. P. Mahadevan
05. शंकर का ब्रहमवाद–आर.एस.नौलखा
06. अद्वैत वेदान्त –अर्जन मिश्र।
07. चतुःसूची–रमाकान्त त्रिपाठी
08. अद्वैत वेदान्त की तार्किक भूमिका–जे. एस. श्रीवास्तव।

PAPER – IV (A)
SHANKAR'S ADVAITA VEDANTA

Unit – I Introduction

- Nature and characteristics of Adhyasa.
- Maya and Avidya.
- Khyati Panchaka.
- Vivartavada / theory of causation

UNIT- II Chatuh Sutri

- Athato Brahma Jigyasa.
- Janmadysya yatah.
- Shastra yonitvata.
- Tattusamanvayata.

UNIT- III Tarkapada

- Samkhya – Refutation of principal cause.
- Nyaya – vaisheshika – refutation of Atomism.
- Buddhism – Refutation of sarvastivada, vijnana vada and shunyavada.
- Criticism of Jainism.

UNIT- IV Metaphysics

- Brahman,
- Atman and Jiva,
- Moksha (liberation),
- The world,
- Svatah pramanyavada,
-

UNIT- V The Place of morality in Advaita Vedanta

- Sadhan chatustya.
- Knowledge and Action.
- Revelation, Reason and Experience.
- Importance of Advaita Vedanta.
- Criticism of maya according to Ramanuja.

प्रश्न पत्र– चतुर्थ
(बी) सामाजिक राजेतिक दर्शन

इकाई : 01

(1) समाज दर्शन का अर्थ, स्वरूप एवं क्षेत्र ।
(2) समाज की अवधारणा तथा उसकी उत्पत्ति के सिद्धांत।
(3) मानव और समाज में संबंध विषयक् सिद्धांत ।
(4) सामाजिक संस्था के रूप में परिवार, विवाह,शिक्षा और धर्म।

इकाई : 02

सामाजिक विचार धाराएँ :–

(1) समाजवाद, साम्यवाद (मार्क्सवाद) फांसीवाद, सर्वोदयवाद।
(2) सामाजिक आदर्श के रूप में न्याय, समानता तथा स्वतंत्रता के प्रत्यय।
(3) सामाजिक परिवर्तन
(4) भारत में दलित चेतना।

इकाई : 03

राजनीतिक अवधारणाएँ :–

(1) लोककल्याणकारी राज्य के कार्य।
(2) अधिकार, कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व के प्रत्यय।
(3) शासन प्रणालियाँ – राजतंत्र धर्मतंत्र तथा प्रजातंत्र।
(4) धर्म निरपेक्षतावाद।

इकाई :– 04

राजनीति गतिविधियाँ :–

(1) क्रान्ति, आतंकवाद, सत्याग्रह।
(2) अपराध एवं दंड, दंड के सिद्धांत।
(3) मानवतावद एवं मानवाधिकार।
(4) मानवसभ्यता एवं संस्कृति।
(5) धार्मिक सहिष्णुता।

इकाई :–05

(1) परम्परा एवं आधुनिकता (भारतीय समाज के संदर्भ में)
(2) वैज्ञानिक सोच एवं प्रगति।
(3) लिंगीय समानता।
(4) अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं सहअस्तित्व।
(5) पर्यावरण– पारिस्थितिकी दर्शन

अनुशंसित पुस्तकें :–

01 ए.के.सिन्हा–समाज दर्शन 02. जे.एस.श्रीवास्तव–समाजदर्शन की भूमिका।
03 सत्यापाल गौतम–समाजदर्शन 04. अशोक वर्मा–प्रारंभिक समाज एवं राजनीति दर्शन।
05 हृदयनारायण मिश्र–समाजिक राजनीतिक दर्शन के नये आयान।
06 हृदयनारायण मिश्र–समाज दर्शन 07 मेकेन्जी–समाज दर्शन की भूमिका।
08 Mackenzie- Introduction to social Philosophy.

PAPER–IV (B)

SOCIO-POLITICAL PHILOSOPHY

Unit-1 Introduction

- The meaning, nature and scope of social philosophy.
- Concept of society and the theory of its origin.
- The theory of relation to man and society.
- Family, marriage education and religion as Spiritual and social institution.

Unit-II Social Ideology

- Socialism, communism, Fascism and Sarvodaya.
- Justice as social Ideal, concept of equality and freedom.
- Social change.
- Dalit Consciousness in India.

Unit-III Political Conceptions

- The Function of welfare state.
- Concept of accountability, duties and rights. Democracy.
- Secularism.

Unit-IV Methods of Political Actions

- Revolution, Terrorism, Satyagraha.
- Punishment and crime, Theory of punishment.
- Human right and humanism.
- Human culture and civilization.
- Religious harmony.
- Types of government- monarchy, theocracy and

Unit-V

- Modernity and tradition.
- Scientific temper and progress.
- Gender equality.
- Co-existence and international relation.
- Philosophy of Ecology.